



असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, बुध्दयतिवार, मई 18, 1989/वैशाख 28, 1911
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 18, 1989/VAISAKHA 28, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

निर्धारण वर्ष 1989-90 से संबंधित संक्रमण कालीन पूर्व वर्ष के लिए
कटौतियां और मोक.-

125- जहाँ आय के विभिन्न स्तरों की बाबत एक से अधिक आय-कर अधिनियम (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा है) का धारा 3 की उपधारा (2) के पहले परन्तुक या तीसरे पं. के अधीन संकमणकारीन पूर्व वर्ष में सम्मिलित है, वहाँ उक्त अधिनियमों के अधीन अनुसूची (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त सारणी" कहा है) के नियम 3 में बर्णित सारणी के स्तंभ 2 में विनिश्चित रकम या प्रतिशत में निम्नलिखित रीति से वृद्धि की जाएगी :

(i) उक्त सारणी के स्तंभ (i) में प्रयोजित उक्त प्रक्रियाओं द्वारा 10(3), 12क (ख), 13(2) (छ), 80(ग) (1), 80ग (2) 80ग (4) 80ग (7) (ग), 80गग (2), 70गगक (1), 80घ (1) - 80घ प्रक्रियाओं के सामने वर्णित रकम/रकमों में उसकी ऐसे प्रमाण से न करके दृष्टि व की जायेगी जिसका भोग संकल्पनाकालीन पूर्व वर्ष में सौ की संख्या है और जिसका ह्र, 12 है:

(ii) उक्त सारणी के स्तंभ (1) में अर्थात् ऊँ अधिनियम की धारा 16 (i), 16 (i) के परन्तुक, धारा 16 (ii), 23(i) घ 1; (ii), धारा 24 (2) के परन्तुक, धारा 33क (7) के रन्तुक, धारा 35क,

का. भा. 361(अ) :- केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्राव-कर (छठा संशोधन) नियम, 1989 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1989 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 के नियम 124 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

35कख, 35ब, 37 (2क), 40क (12), 44कक (2) (i) और (ii) 44कख, 80ड (i) और धारा 80ड (ii) के पहले परन्तुक धारा 80ड (i) के दूसरे परन्तुक धारा 80ब (2) (ग), धारा 80ल (2) (ब) और धारा 139क (2) प्रविष्टियों के सामने वर्णित रकम/रकमों में उसकी ऐसे प्रभाग से गुणा करके श्रुति की जाएगी, जिसका अंश उस विशिष्ट आय के स्रोत की बाबत जिससे रकम या रकमों का संबंध है संक्रमणकालीन पूर्व वर्ष में सम्मिलित अवधि में मासों की संख्या है, और जिसका हर, 12 है :

परन्तु जहाँ निर्धारित ने आय के एक ही शीर्ष के अन्तर्गत विभिन्न स्रोतों के लिए विभिन्न अवधियों का अनुपालन किया है, वहाँ ऐसी अवधियों में से दीर्घतम को इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए अपनाया जाएगा :

परन्तु यह और कि धारा 35क, 35कख और 35ब के सामने वर्णित रकमों की दशा में पूर्विक वर्षों में अनुशात कुल मोक या कटौती और संक्रमण कालीन पूर्व वर्ष में अनुशातयोग्य बढ़ाया गया मोक या कटौती, किसी भी दशा में, यथास्थिति, व्यय या खर्चों की कुल रकम से अधिक नहीं होती ।

[सं - 8374/एफ सं. 142/11/89 - टी पी एल]

के. के. मित्तल, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 1989

INCOME-TAX

S.O. 361(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (sixth Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force from the 1st day of April, 1989.

2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 124 e following rule shall be inserted, namely :—

Deductions and allowances for the transitional previous year relating to assessment year 1989-90,—

125. Where more than one period in respect of different sources of income are included in the transitional previous year under the first proviso or the third proviso to sub-section (2) of section 3, of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the "said Act") the amount or amounts specified in column (2) of the Table mentioned in Rule 3 of the Tenth Schedule (hereinafter referred to as the "said Table") to the said Act, shall be increased in the following manner;

(i) the amount/amounts mentioned against the entries in column (1) of the said Table, namely against sections 10(3), 12A(b), 13(2)(g), 80C(1), 80C(3), 80C(4), 80C(7)(c), 80CC(2), 80CCA(1), 80D(1) and 80U of the said Act shall be increased by multiplying it/them by a fraction of which the numerator is the number of months in the transitional previous year and the denominator is 12;

(ii) the amount/amounts mentioned against the entries in column (1) of the said Table namely against section 16(i), proviso to section 16(i), sections 16(ii), 23(1)(d)(ii), proviso to section 24(2), proviso to section 33A(7), sections 35A, 35AB, 35D, 37(2A), 40A(12), 44AA(2)(i) and (ii), 44AB, 80L(1) and first proviso to section 80L(1), second proviso to section 80L(1), section 80P(2)(c), section 80P(2)(f) and section 139A(2) of the said Act shall be increased by multiplying it/them by a fraction of which the numerator is the number of months in the period included in the transitional previous year in respect of that particular source of income to which the amount or amounts relate, and the denominator is 12 :

Provided where the assessee has followed different periods for different sources, under the same Head of Income, the longest of such periods shall be taken for the purposes of this sub-rule :

Provided further that in cases of amounts mentioned against sections 35A, 35AB and 35D, the total of the allowances or deduction allowed in the earlier years and the increased allowances or deduction allowable in the transitional previous year, shall in no case exceed the total amount of expenditure or expenses as the case may be.

[No. 8374/F. No. 142/11/89-TPL]

K. K. MITTAL, Director